International Journal of Arts & Education Research

खेलों में भ्रष्टाचार

डॉ0 ममता[*1]

[1]**अध्यक्षा एवं प्रवक्ता, शारीरिक शिक्षा विभाग, ईस्माईल नेशनल, महिला पी0जी0 कॉलिज, मेरठ।**

भ्रष्टाचार एक ऐसी मनोवृति है जिसमें व्यक्ति अपने क्षमताओं का दुरूपयोग करते हुये सार्वजनिक दायित्व की पूर्ति के स्थान पर अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करता है। आज भारत में व्यक्ति पद एवं संस्थाएँ भ्रंष्टाचार के दुष्चक्र के घेरे में है। हमारे देश में धन और शक्ति स्टेट्स सिम्बल बन गयी है चाहे वह कितने ही नाजायज तरीके से प्राप्त की गयी है।

भ्रष्टाचार अच्छे सफल खेल आयोजनों में एक बड़ा अवरोध है खेल एक सामाजिकरण की ऐजेन्सी जिसमें मानव खेलों के माध्यम से जुड़ता है। हम अपने जीवन के सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक यहाँ तक की नैतिक विकास के लिए प्रशासन पर निर्भर करते है। ठीक उसी तरह प्रशासन में फैले भ्रष्टाचार का प्रभाव हर स्तर पर प्रभावित करता है। हम यह जानते ही नहीं मानते भी है कि खेलों के भ्रष्टाचार की जड़ में हमारे राजनेता खेल मंत्रालय, खेल प्रशासनिक अधिकारी, कोच यहाँ तक खिलाड़ी भी।

*Corresponding Author